राजस्थान पत्रिका, 25 अक्टूबर, 2017

बिट्स के तत्तवावधान में जयपुर में खेलों पर सम्मेलन...

खेल को शिक्षा से जोड़ें तो आ सकते हैं अच्छे परिणाम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पिलानी. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी एण्ड सांइस (बिट्स) के तत्वावधान में खेल इंजीनियरिंग विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ जयपुर में सोमवार को हुआ। जयपुर स्थित बिरला सभागार में आयोजित उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में पर्यावरण एवं खेल मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर थे। मंत्री ने खेल को मुख्य धारा में लाने के लिए खेल को शिक्षा से जोड़ने का सुझाव दिया। खींवसर ने खेलों में सुधार के लिए मैदान तथा स्टेडियम आदि पर पैसा खर्च करने के बजाय खेल कौशल पर ध्यान केन्द्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कॉरपोरेट जगत से भी खिलाड़ियों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए शेफील्ड हॉलम युनिवर्सिटी ब्रिटेन के डा. डेविड जेम्स ने भारत में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा खेल इंजीनियरिंग से खिलाड़ियों को मिलने वाले बल को विस्तार से समझाया। बिट्स वीसी प्रो. सौविक भट्टाचार्य ने खेल अनुसंधान पर चर्चा करते हुए खेल के विकास में वैज्ञानिकों तथा प्रौद्योगिकि के लोगों से खिलाड़ियों को अपना खेल संवारने में मिलने वाली मदद के बारे में बताया। इससे पहले बिट्स निदेशक डा. एके सरकार ने कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डाला। प्रो. एमएस दास गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए तीन दिवसीय कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। सम्मेलन संयोजक डा. पींटू मोडक ने आभार जताया। सम्मेलन का आयोजन बिट्स पिलानी, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (फिक्की) तथा इंटरनेशनल स्पोर्टस इंजीनियरिंग एसोसिएशन यूके के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

पिलानी सेमिनार के उद्घाटन समारोह में सम्बोधित करते खेल मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर।।

सीमा सन्देश, 25 अक्टूबर, 2017

खेल मुख्यधारा के रूप में शिक्षा का हिस्सा बने : खींवसर

पिलानी। बिटस पिलानी परिसर और इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के अंतर्राष्ट्रीय खेल इंजीनियरिंग एसोसिएशन (आईएससीए) के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय (23-25 अक्टूबर, 2017) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन बिड़ला सभागार जयपुर में 23 अक्टूबर, 2017 को किया गया। प्रोफेसर एमएस दासगुप्ता ने अपने स्वागत भाषण में सम्मेलन का विषय प्रस्तुत किया और कहा यह तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य खेल और इंजीनियरिंग के मध्यदूरी में सांजस्य स्थापित करना है तथा बिट्स पिलानी पहला संस्थान है जो भारत में खेल और इंजीनियरिंग के मध्य गठबंधन पर सम्मेलन कर रहा है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते गजेन्द्र सिंह खींवसर साथ में मंचासीन अतिथिगण।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन, पर्यावरण, यूथ अफेयर्स और खेल विभाग के मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने अपने संबोधन में कहा कि खेलों को मुख्य धारा के रूप में शिक्षा का हिस्सा बनना चाहिए और इस पर सरकार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, केवल खेल के मैदान और स्टेडियम बनाने की बजाय खेलों में सीएसआर निधियों का उपयोग करएक महत्वपूर्ण भूमिका का उपयोग कर सकते हैं तथा वे कुछ निश्चित सीएसआर फंड का भी उपयोग कर सकते हैं । कॉर्पोरेट जगत खिलाड़ियों के लिए खेलों रोजगार के अवसर प्रदान कर एक मुख्य भूमिका निभा सकती है । विशिष्ट अतिथि डॉ डेविड जेम्स, खेल इंजीनियरिंग एसोसिएशन, शेफील्ड हॉलम यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन के कोषाध्यक्ष ने अपने भाषण में कहा कि यह भारत के लिए एक विशाल क्षेत्र और विशाल क्षमता के साथ एक छोटी, लेकिन महत्वपूर्ण शुरुआत है। यह सम्मेलन खिलाड़ियों की सुरक्षा के बारे में है, और इंजीनियरों से जुड़े निर्णय लेकर समस्योओं पर विचार करना है। उच्च जनसंख्या के कारण भारत में व्यापार का उच्च अवसर है खेल इंजीनियरिंग जो एक वैश्विक समुदाय है तथा भारत में इसका विस्तार होगा और देश के विकास को बढ़ाएगा। बीट्स पिलानी के कुलपति प्रो. सौविंक भट्टाचार्य ने कहा भारत में खेल के विकास में वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों को साथ जोड़ने और उन्हें खेल अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास में शामिल होने तथा प्रोत्साहित करने की एक पहल है। खेल के प्रदर्शन के साथ-साथ स्पोर्ट्स उद्योगों, ज्ञान और कौशल को साथ जोड़ने तथा लागू करने व प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए खेल में प्रौद्योगिकियों के सफ्ल विकास और कार्यान्वयन के लिए उन्होंने व्यापारियों को खेल इंजीनियरिंग में निवेश करने का आग्रह किया। बिट्स पिलानी परिसर के निदेशक प्रोफेसर अशोक कुमार सरकार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, देश को अच्छे खेल सुविधाएं और खेल के सामान और उपकरणों को आसानी से उपलब्ध कराया जाना चाहिए सस्ती कीमत पर सभी के लिए उपलब्ध हों इस प्रकार इस क्षेत्र में स्वदेशी खेल के सामान और सुविधाएं विकसित करने के लिए इस क्षेत्र में अनुसंधान के लिए एक जबरदस्त मौका है। खेल इंजीनियरिंग भारत में एक नया और लगभग अज्ञात विषय है हम देश में इस क्षेत्र के दायरे को स्वीकार करते हैं और इस प्रकार इस सम्मेलन को व्यवस्थित करने का निर्णय लिया है ताकि शिक्षा और अनुसंधान के संभावित क्षेत्रों के बारे में संकायों और शोधकर्ताओं में जागरूकता पैदा हो सके। अंत में, सम्मेलन के संयोजक डॉ. पिंटू मोडक ने धन्यवाद प्रेषित किया ।